राज्य की लोकदेवियाँ

❑ करणी माता

बीकानेर के राठौड़ शासकों की कुलदेवी। 'चूहों वाली देवी' के नाम से विख्यात । जन्म सुआप गाँव के चारण परिवार में। मंदिर : देशनोक (बीकानेर)।

करणी जी के काबे : इनके मंदिर के चूहे। यहाँ सफेद चूहे के दर्शन करणी जी के दर्शन माने जाते हैं।

❑ जीण माता

चौहान वंश की आराध्य देवी। ये धंध राय की पुत्री एवं हर्ष की बहन थी। मंदिर में इनकी अष्टभुजी प्रतिमा है। मंदिर का निर्माण रैवासा (सीकर) में पृथ्वीराज चौहान प्रथम के समय राजा हट्टड़ द्वारा।

❑ कैला देवी

करौली के यदुवंश (यादव वंश) की कुल देवी। इनकी आराधना में लांगुरिया गीत गाये जाते हैं।

मंदिर : त्रिकूट पर्वत की घाटी (करौली) में। यहाँ नवरात्रा में विशाल लक्खी मेला भरता है।

❑ शिला देवी

जयपुर के कछवाहा वंश की आराध्य देवी/कुल देवी। इनका मंदिर आमेर दुर्ग में है।

RAJASTHAN CLASSES
राजस्थान क्लासेज

राज्य की लोकदेवियाँ

❑ अन्नपूर्णा

शिलामाता की यह मूर्ति पाल शैली में काले संगमरमर में निर्मित्त है। महाराजा मानसिंह पं. बंगाल के राजा केदार से ही सन् 1604 में मूर्ति लाए थे।

❑ जमुवाय माता

ढूँढाड़ के कछवाहा राजवंश की कुलदेवी। इनका मंदिर जमुवारामगढ़, जयपुर ग्रामीण में है।

❑ आईजी माता

सिरवी जाति के क्षत्रियों की कुलदेवी। इनका मंदिर बिलाड़ा (जोधपुर ग्रामीण) में है। मंदिर 'दरगाह' व थान 'बडेर' कहा जाता है।

ये रामदेवजी की शिष्या थी। इन्हें मानी देवी (नवदुर्गा) का अवतार माना जाता हैं।

❑ राणी सती

वास्तविक नाम 'नारायणी'। 'दादीजी' के नाम से लोकप्रिय । झुंझुनूँ में राणी सती के मंदिर में हर वर्ष भाद्रपद अमावस्या को मेला भरता है।

राज्य की लोकदेवियाँ

❑ आवड़ माता/स्वांगिया जी माता

जैसलमेर के भाटी राजवंश की कुलदेवी। इनका मंदिर तेमड़ी पर्वत (जैसलमेर) पर है। सुगनचिड़ी को आवड़ माता का स्वरूप माना जाता है।

❑ शीतला माता

चेचक की देवी। बच्चों की संरक्षिका देवी। जांटी (खेजड़ी) को शीतला मानकर पूजा की जाती है।

मंदिर - चाकसू (जयपुर ग्रामीण) जिसका निर्माण जयपुर के महाराजा श्री माधोसिंह जी ने करवाया था। चैत्र कृष्णा अष्टमी को वार्षिक पूजा व इस मंदिर में विशाल मेला भरता है। इस दिन लोग बास्योड़ा मनाते हैं। इनकी पूजा खंडित प्रतिमा के रूप में की जाती है तथा पुजारी कुम्हार होते है। इनकी सवारी 'गधा' है।

❑ सुगाली माता

आउवा के ठाकुर परिवार की कुलदेवी। इस देवी प्रतिमा के दस सिर और चौपन हाथ है।

राज्य की लोकदेवियाँ

❑ नकटी माता

जयपुर के निकट जय भवानीपुरा में 'नकटी माता' का प्रतिहारकालीन मंदिर है।

❑ ब्राह्मणी माता

बाराँ जिले के अन्ता कस्बे से 20 किमी. दूर सोरसन ग्राम के पास ब्राह्मणी माता का विशाल प्राचीन मंदिर है। विश्व में संभवतः यह अकेला मंदिर है जहाँ देवी की पीठ की ही पूजा होती है अग्र भाग की नहीं। यहाँ माघ शुक्ला सप्तमी को गधों का मेला भी लगता है।

❑ जिलाणी माता

कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बहरोड़ कस्बे की लोक देवी। यहाँ इनका प्रसिद्ध मंदिर है।

❑ अम्बिका माता-

जगत (उदयपुर) में इनका मंदिर है, जो मातृदेवियों को समर्पित होने के कारण शक्तिपीठ कहलाता है। जगत का मंदिर 'मेवाड़ का खजुराहो' कहलाता है।

राज्य की लोकदेवियाँ

त्रिपुर सुंदरी	तलवाड़ा (बाँसवाड़ा)
क्षेमकरी माता	भीनमाल (जालौर)
लटियाल देवी	फलौदी
अम्बा माता	उदयपुर एवं अम्बानगर (आबूरोड़)
आसपुरी माता	आसपुर (डूंगरपुर)
छिंछ माता	बाँसवाड़ा
सुंडा माता	सुंडा पर्वत (भीनमाल)
नारायणी माता	राजगढ़ (अलवर)
मरकंडी माता	निमाज
चारभुजा देवी	खमनौर (हल्दीघाटी)
दधिमति माता	गोठ-मांगलोद (नागौर)
इन्द्र माता	इन्द्रगढ़ (बूँदी)
भद्रकाली	हनुमानगढ़
सीमल माता	वसंतगढ़ (सिरोही)
अधरदेवी	माउण्ट आबू (सिरोही)
धुँवाल माता	भांवल ग्राम (नागौर)
चौथ माता	चौथ का बरवाड़ा, स.माधोपुर
पीपाड़ माता	ओसियाँ (जोधपुर ग्रामीण)

राज्य की लोकदेवियाँ

कैवाय माता	किणसरिया (परबतसर, डीडवाना-कुचामन)
बिरवड़ी माता	चित्तौड़ दुर्ग एवं उदयपुर
हिंगलाज माता	लोद्रवा (जैसलमेर)
नागणेची माता	जोधपुर ग्रामीण
घेवर माता	राजसमन्द
बाणमाता	उदयपुर
सिकराय माता	उदयपुरवाटी (नीम का थाना)
ज्वाला माता	जोबनेर
सच्चियाँ माता	ओसियाँ (जोधपुर ग्रामीण)
आशापुरी/महोदरी माता	जालौर
भदाणा माता	भदाणा (कोटा)
असावरी माता	निकुम्भ (चित्तौड़गढ़)
तनोटिया देवी	तनोट (जैसलमेर)
शाकम्भरी देवी	शाकम्भरी (सांभर)
बड़ली माता	आकोला (चित्तौड़गढ़)

राजस्थान सामान्य ज्ञान

वन लाइनर प्रश्न-उत्तर

500+ क्लिक करें एवं पढ़ें

राजस्थान सामान्य ज्ञान

लाइव क्लास की सभी पीडीएफ

फ्री डाउनलोड करें

क्लिक करके डाउनलोड करें एवं पढ़ें

नवीनतम राजस्थान GK

(टॉपिक वाइज नोट्स)

Free PDF

Click Here

RAJASTHAN CLASSES

राजस्थान क्लासेज

By - Aadarsh Sir

लाइव क्लासेज यहां से देखें
Click Here

Click Here

अन्य नोट्स PDF हेतु क्लिक करें
Click Here

हर नोट्स, मॉडल पेपर की लिंक यहां मिलेगी
Click Here